This question paper contains 3 printed pages. *Your Roll No. .....*

Sl. No. of Ques. Paper : 5045 **E**

Unique Paper Code : 205481

Name of Paper : आधुनिक भारतीय भाषा, हिन्दी - क

Name of Course : B.Com. (Prog.)

Semester : IV

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 5×3 = 15

(क) बंदिनी मैं बैठी रही,
देखती थी दिल्ली कैसी विभव-विलासिनी।
यह ऐश्वर्य की दुलारी, प्यारी क्रूरता की
एक छलना-सी, सजने लगी थी संध्या में।
कृष्णा वह आई फिर रजनी भी
खोलकर ताराओं की विरल दशन-पंक्ति
अट्टहास करती थी दूर मानो व्योम में
जो न सुन पड़ा अपने ही कोलाहल में।

अथवा

गूँज उठी रंगशाला इस सौंदर्य की
विश्व था मनाता महोत्सव अभिमान का
आज विजयी था रूप
और साम्राज्य था नृशंस क्रूरताओं का
रूप-माधुरी की कृपा-कोर को निरखता
जिसमें मदोद्धत कटाक्ष की अरुणिमा
व्यंग्य करती थी विश्व भर के अनुराग पर।

(ख) देखिए वो मर चुकी है। उसकी मय्यत के साथ आप लोग जो सुलूक चाहें कर सकते हैं ..... उसे चाहे दफना दीजिए, चाहे टुकड़े-टुकड़े कर डालिए, चाहे गर्के आब कर दीजिए ..... इसका अब उस पर कोई असर नहीं पड़ेगा ..... उसके ईमान पर कोई आँच नहीं आएगी ..... लेकिन आप उसके साथ क्या करते हैं, इससे आपके ईमान पर ज़रूर फ़र्क पड़ सकता है।

अथवा

P.T.O.

फूल खुशबू से जुदा है अब के
यारों ये कैसी हवा है अब के
दोस्त बिछड़े हैं कई बार मगर
ये नया दाग खिला है अब के
पत्तियाँ रोती हैं सर पीटती हैं
कत्ले गुल आम हुआ है अब के।

(ग) प्रेम का संबंध आत्मा से है, प्रकृति से नहीं। जिस वस्तु का प्रकृति से संबंध है, वह वासना है, क्योंकि वासना का संबंध बाह्य से है। वासना का लक्ष्य यह शरीर है, जिस पर प्रकृति ने कृपा करके उसको सुंदर बनाया है। प्रेम आत्मा से होता है, शरीर से नहीं। परिवर्तन प्रकृति का नियम है, आत्मा का नहीं। आत्मा का संबंध अमर है।

अथवा

संसार में पाप कुछ भी नहीं है, वह केवल मनुष्य के दृष्टिकोण की विषमता का दूसरा नाम है। प्रत्येक व्यक्ति एक विशेष प्रकार की मन:प्रवृत्ति लेकर उत्पन्न होता है— प्रत्येक व्यक्ति इस संसार के रंगमंच पर एक अभिनय करने आता है। अपनी मन:प्रवृत्ति से प्रेरित होकर अपने पाठ को वह दुहराता है— यही मनुष्य का जीवन है।

2. 'प्रलय की छाया' में कमलावती के चरित्र की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'प्रलय की छाया' की प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए। 10

3. 'जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ' नाटक में रतनलाल की अम्मा के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ' नाटक की भाषा की समीक्षा कीजिए। 10

4. ' 'चित्रलेखा' उपन्यास की कथावस्तु योग और भोग के द्वन्द्व से संचालित होती है।' इस कथन की विवेचना कीजिए।

अथवा

'चित्रलेखा' उपन्यास की भाषा पर एक लेख लिखिए। 10

5. 'कलयुग' फिल्म में सुप्रिया का चरित्र किन कारणों से प्रभावशाली बन पड़ा है? विश्लेषण कीजिए।

अथवा

'कलयुग' फिल्म की निर्देशन-कला की विशेषताएँ लिखिए। 10

6. अभिनय-कला की दृष्टि से 'कलयुग' फिल्म के किसी एक चरित्र की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'कलयुग' फिल्म की ध्वनि-योजना पर प्रकाश डालिए। 5

7. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए:

(क) आदिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

(ख) राम-काव्यधारा का सामान्य परिचय

(ग) निर्गुण-काव्यधारा का परिचय

(घ) भारतेन्दुयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। 15